(Manipur), Shri Abir Ranjan Biswas (West Bengal), Dr. Fauzia Khan (Maharashtra), and Shri Sujeet Kumar (Odisha).

Demand to include Chandauli district of Uttar Pradesh under Bansagar Irrigation project

श्रीमती दर्शना सिंह (उत्तर प्रदेश): उपसभापति महोदय, आपने मुझे शून्य काल में बोलने का अवसर प्रदान किया, इसके लिए आपका धन्यवाद।

महोदय, उत्तर प्रदेश का जनपद चंदौली कृषि प्रधान जनपद है, जिसे 'धान का कटोरा' भी कहा जाता है। चंदौली जनपद 'एक जिला, एक उत्पाद', यानी ओडीओपी में काले चावल के लिए चयनित है। भारत सरकार द्वारा चंदौली जिले को आकांक्षी जिले के रूप में चयनित किया गया है, किंतु सिंचाई के उचित प्रबंध न होने के कारण किसानों को धान की रोपाई में गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ता है। महोदय, जनपद चंदौली में सिंचाई हेतु पानी के समुचित प्रबंधन के लिए केंद्र सरकार की बाणसागर परियोजना में चंदौली को शामिल किया जाना किसानों के लिए अति आवश्यक है।

महोदय, चंदौली जनपद में धान की खेती बड़े पैमाने पर की जाती है। किसानों को सिंचाई हेतु नारायणपुर पम्प कैनाल से पानी की आपूर्ति संभव नहीं है, इसलिए मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करती हूं कि केंद्र सरकार की बाणसागर परियोजना द्वारा संचालित नहर को जरगो बाँध से मूसाखाँड़ बांध, नौगढ़ चंदौली से जोड़ दिया जाए तो लतीफ शाह बैराज से कर्मनाशा लिफ्ट नहर के माध्यम से पूरे चंदौली जिले को सिंचित किया जा सकता है, धन्यवाद।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the Zero Hour matter raised by the hon. Member, Shrimati Darshana Singh: Dr. Sasmit Patra (Odisha), Dr. Santanu Sen (West Bengal), Shri Maharaja Sanajaoba Leishemba (Manipur), Dr. Sikander Kumar (Himachal Pradesh) and Dr. Amar Patnaik (Odisha).

Rising cases of Sudden Cardiac Arrests (SCAs) among Indian Youth

श्रीमती प्रियंका चतुर्वेदी (महाराष्ट्र) : सर, मैं आपकी आभारी हूँ कि आपने मुझे एक महत्वपूर्ण मुद्दे पर बोलने का मौका दिया है। सर, आज सबेरे ही जब मैं पार्लियामेंट में आने की तैयारी कर रही थी, तो मुझे पता चला कि मेरे परिवार से परिचित एक 36 साल के युवा को क्रिकेट खेलते-खेलते अचानक ही हार्ट अटैक आया तथा उनकी मौत हो गई और आज ही के दिन मुझे यह मुद्दा यहाँ रखने को मिल रहा है, तो मैं आपकी खास आभारी हूं।

सर, इंडिया में सडेन हार्ट अटैक्स के जो राइजिंग केसेज हैं, वह एक चिंता का विषय है और मैं आपके जरिए हेल्थ मिनिस्ट्री से कहना चाहूंगी कि इस पर थोड़ी ज्यादा रिसर्च कर, एक डेटा बनाकर कि जो पोस्ट कोविड कॉम्प्लिकेशंस हो रही हैं, जो मेडिसिंस प्रेस्क्राइब की गई हैं, जो

वैक्सींस हैं, उनको लेकर थोड़ा हमें रिसर्च-बैक्ड फ्रेमवर्क बनाना पड़ेगा कि 50 साल से कम लोगों को जो सडेन हार्ट अटैक हो रहे हैं, उसको हम कैसे काबू में ला सकते हैं। वैसे ही, 'लांसेट' की स्टडी बताती है कि इंडिया में 5 से 6 लाख इंडियंस की अचानक हार्ट अटैक होने से मृत्यु हो जाती है और वे 50 साल से कम उम्र के हैं। यह सिर्फ उनके परिवार के लिए ही दुःख का विषय नहीं है, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था के लिए भी दुःख का विषय है। इसलिए मेरी आपसे एक डेटाबेस बनाने की रिक्वेस्ट है। रोज अखबारों में यह आता है कि किसी की डांडिया खेलते-खेलते डेथ हो जाती है, जबकि उसकी कोई हार्ट कंडीशन नहीं थी। कोई heart condition नहीं है, हार्ट को लेकर उनकी कोई हैल्थ हिस्ट्री नहीं है, पर अचानक से उनकी डेथ हो जाती है। डा. प्रशांत नंदा जी ने कल ही इस मुद्दे को रखा था, उन्होंने बताया था कि ट्रेन में एक 38 साल के युवा को हार्ट अटैक आ जाता है। वहां कोई medical facilities नहीं थीं। इस पर भी खास तौर पर ध्यान देना चाहिए।

दूसरा, मैं यह कहना चाहूंगी कि अमेरिका में काफी लोगों को फाइज़र की वैक्सीन लगाई गई थी। अब, जब उन पर दबाव पड़ा है, तब उन्होंने बताया है कि उसके क्या-क्या साइड इफैक्ट्स हैं। शायद इस पर भी आत्मचिंतन करने की आवश्यकता है कि जो वैक्सीन्स लगाई गई हैं, कोविड का जो गम्भीर स्वरूप देखा गया, मिनिस्ट्री ऑफ हैल्थ एंड फैमिली वैलफेयर की तरफ से आने वाली जो medicines prescribe की गईं, क्या उनमें कहीं कमी रह गई। हमारे पास साकेत गोखले जी बैठे हैं, 34 साल की उम्र में without any health issues उनको हार्ट अटैक आ जाता है। उनके डॉक्टर्स बताते हैं, यह post-Covid complications हैं। आपके माध्यम से मैं यही रिक्वेस्ट करूंगी कि यह एक महत्वपूर्ण विषय है, इस पर खासकर ध्यान देना चाहिए। मिनिस्ट्री ऑफ हैल्थ एंड फैमिली वैलफेयर ने इसकी गाइडलाइंस दी हैं, पर वे इतनी पुख्ता नहीं हैं कि इस इश्यु को address कर पाएं। मैं आपकी आभारी हूं कि आपने मुझे इस मुद्दे को रखने का मौका दिया Thank you so much, Sir.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the Zero Hour mention raised by Shrimati Priyanka Chaturvedi: Dr. Sasmit Patra (Odisha), Shrimati Sulata Deo (Odisha), Shrimati Vandana Chavan (Maharashtra), Dr. Amar Patnaik (Odisha), Shri Derek O'Brien (West Bengal), Shri Sujeet Kumar (Odisha), Shrimati Phulo Devi Netam (Chhattisgarh), Dr. John Brittas (Kerala), Shri Ajit Kumar Bhuyan (Assam), Shri Niranjan Bishi (Odisha), Shri Abir Ranjan Biswas (West Bengal), Dr. Fauzia Khan (Maharashtra) and Dr. Kanimozhi NVN Somu (Tamil Nadu).

Demand to ensure availability of medicines at Jan Aushadhi Kendras

श्री राम नाथ ठाकुर (बिहार) : माननीय उपसभापति महोदय, वर्ष 2015 में बहुत ज़ोर-शोर से यह प्रचार किया गया और कहा गया कि जन औषधि केंद्रों की स्थापना की जाएगी। वहां गरीब और वंचित लोगों के लिए सस्ती दरों पर दवा उपलब्ध होगी, लेकिन हमने देखा है कि बीपी और मधुमेह की जो दवा है, जो 100 रुपये में मिलनी चाहिए, वह 3,000 रुपये में मिल रही है। मेरा आपके